INDIAN SCHOOL SOHAR
SUMMATIVE ASSESSMENT-1(2015-16)

कक्षा:VI | **विषय: हिन्दी** | **पूर्णांक:60**

दिनांक:15-09-2015 | **समय:2 घंटे**

सामान्य निर्देश:**1.**इस प्रश्न पत्र के कुल चार खंड हैं-क,ख,ग,घ।

2.प्रश्नों के उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न संख्या लिखना आवश्यक है।

3.चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

खंड-क

प्रश्न **1.** अपठित गद्यांश **(6)**

संसार के सात आश्चर्यों में सबसे पहला नाम मिस्र (इजिप्ट) के पिरामिडों का आता है। पिरामिड मानव द्वारा बनाए गए पहाड़ हैं। इन्हें आज से लगभग **5000** वर्ष पहले बनाया गया था। मिस्र के राजाओं ने ईट और पत्थरों से इन पहाड़ जैसे आकारों का निर्माण शाही शवों को रखे जाने के लिए कराया था। ये संसार की सबसे प्राचीन समाधिया□अथवा मकबरे हैं। अब तक लगभग **80** पिरामिड मिले हैं। हज़ारों साल पहले जब यूनान (ग्रीस) के लोगों ने पिरामिडों को देखा तो इन्हें संसार के आश्चर्यों में पहला स्थान दिया। संसार के महान आश्चर्यों में आज भी इनका स्थान प्रथम ही है।

उपरोक्त गद्यांश के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

(क) दुनिया के आश्चर्यों में मिस्र के पिरामिडों का कौन-सा स्थान है ?

(ख) पिरामिडों को कितने वर्ष पूर्व बनाया गया था ?

(ग) पिरामिडों का निर्माण किसलिए करवाया गया है ?

(घ) हज़ारों साल पहले किसने इन पिरामिडों को देखा ?

(ङ) 'संसार' शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(च) इस गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

प्रश्न **2.** पठित गद्यांश (5)

मित्र □किसी को छोटा या कम समझना बुद्धिमानी की बात नहीं है। यह तो घमंडी होना है। और घमंड करना तो किसी के लिए भी उचित नहीं। अब देखो,मैंने अपनी छाया देकर तुम्हें धूप-ताप से बचाया। मेरे तने ने तुम्हें सहारा दिया। मेरी पत्तियों से छनकर हवा शीतल हुई। तुम्हें सुख मिला और तुम सो गए। चिड़िया□मुझपर बसेरा करती हैं और मेरे छोटे-छोटे मीठे फल खाती हैं। देखो तो प्रकृति कितने सुंदर ढंग से अपना काम करती है।

उपरोक्त पठित गद्यांश के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

(क) किसने,किसको सहारा दिया ?

(ख) चिड़िया□कहा□बसेरा करती हैं ?

(ग) युवक को नींद क्यों आ गई ?

(घ) 'मित्र' शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(ङ) इस गद्यांश के पाठ का नाम लिखिए।

खंड-ख

प्रश्न **3.**(क) श्रिमति ,आर्शीवद - शब्दों की वर्तनी शुद्ध कीजिए। **(2)**

(ख) मेरे को आम बहुत पसंद है। - अशुद्ध वाक्य को शुद्ध कर लिखिए।

प्रश्न **4.** (क) कन्या , छवि - शब्दों के वचन बदलकर लिखिए। **(2)**

(ख) मैं तो लड्डू खाऊ□। - वाक्य में वचन बदलकर लिखिए।

प्रश्न **5.** (क) कवि , रूपवान - शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए। **(2)**

(ख) भारत , सूर्य - शब्दों के लिंग पहचानइए ।

प्रश्न 6.(क) चन्द्र , पंच - तत्सम शब्दों के तद्भव रूप लिखिए। **(2)**

(ख) घर ,सपना - तद्भव शब्दों के तत्सम रूप लिखिए।

प्रश्न 7.(क) निम्नलिखित प्रत्येक वाक्यांश के लिए उचित शब्द लिखिए। **(2)**

i जो आज के ज़माने का हो।

ii बड़ों की आज्ञा माननेवाला।

प्रश्न 8.(क) निम्न रेखांकित संज्ञाओं के भेद लिखिए। **(2)**

i गांधी जी अहिंसा के पुजारी थे।

ii आज मैं बहुत खुश हूँ।

(ख) शांत , कड़वा - शब्दों से भाववचक संज्ञा बनाकर लिखिए।

प्रश्न 9. (क) नैया , पर्वत - शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। **(2)**

प्रश्न 10.(क) निम्नलिखित वाक्यों में उचित विरामचिहन लगाएँ। **(2)**

i तुम कहाँ जा रहे हो

ii हेमा मनोज नीलम और पकंज ने पौधे लगाए

खंड-ग

प्रश्न 11. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए। **(6)**

(क) उम्मीद (ख) व्यवहार (ग) खरहा (घ) पहर (ङ) त्योहार (च) सटीक

प्रश्न 12. निम्नलिखित शब्दों तथा मुहावरों से वाक्य बनाइए। **(4)**

(क) पर (ख) व्यस्त (ग) आँखों का तारा होना (घ) मुँह में पानी आना

प्रश्न 13 .निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए। **(3)**

(क) विश्वंभर बाबू कौन थे ?

(ख) रेशमा के पाँव बेजान होने का क्या कारण था ?

(ग) कवि बचपन में माँ से क्या माँगता था ?

(घ) गाँव के लोग गरमियों में कहाँ रुककर आराम करते थे ?

प्रश्न 14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर विस्तार में लिखिए। **(10)**

(क) बच्चों ने मेले में क्या-क्या देखा?

(ख) बरगद और युवक की बातों से हमें क्या संदेश मिलता है ?

(ग) बारिश के मौसम में कवि को क्या-क्या करना अच्छा लगता था ?

(घ) दादी जी ने दीपावली के बारे में क्या बताया ?

(ङ) डॉक्टर बाबू कैसे व्यक्ति थे?

खंड-घ

प्रश्न 15. प्रधानाचार्या को दो दिन के अवकाश के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए। **(5)**

अथवा

अपने मित्र को जन्मदिन पर निमंत्रित करने के लिए पत्र लिखिए।

प्रश्न 16. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए । **(5)**

(क)जैसा करोगे ,वैसा भरोगे (ख) मेरी पाठशाला (ग)मेरा प्रिय त्योहार

....समाप्त..